

डॉ. एंथोनी जे. टोमासिनो, द टेन कमांडमेंट्स, सत्र 11, आज्ञा 10 – लालच मत करो

यह डॉ. एंथोनी जे. टोमासिनो और दस आज्ञाओं पर उनकी शिक्षा है। यह सत्र 11 है, आज्ञा 10 - तुम लालच नहीं करोगे। तो अब हम

दस आज्ञाओं में से अंतिम आज्ञा पर आ गए हैं।

तुम्हें लालच नहीं करना चाहिए। दूसरों की चीजों की चाहत मत करो। और मुझे कहना होगा, आप जानते हैं, यह विशेष आज्ञा मुझे थोड़ी दुविधा में डालती है क्योंकि, आप जानते हैं, अगर मैं पूछूँ कि क्या यहाँ किसी ने पहले कभी लालच किया है, जैसा कि मैंने चर्च और कक्षाओं दोनों में किया है, तो कमरे में लगभग हर हाथ ऊपर उठ जाएगा और आमतौर पर उनके चेहरे पर मुस्कान होगी।

अब, आप जानते हैं, अगर मैंने पूछा होता, क्या यहाँ किसी ने व्यभिचार किया है? मैं शर्त लगाता हूँ कि एक भी हाथ नहीं उठेगा, आप जानते हैं, हालाँकि कुछ लोग शायद बहुत शर्मिंदा दिखेंगे। अगर मैं पूछूँ, यहाँ कितने लोगों की हत्या हुई है? शायद एक भी हाथ नहीं। लेकिन अगर मैं पूछूँ, दूसरी तरफ, यहाँ कितने लोगों ने लालच किया है? हर हाथ उठ जाएगा।

तो समस्या यह नहीं है कि लोगों को यह स्वीकार करने के लिए मजबूर किया जाए कि उन्होंने लालच किया है। समस्या वास्तव में लोगों को यह सोचने के लिए मजबूर करना है कि उन्होंने लालच किया है। तो, इस आज्ञा को क्या अलग बनाता है? सभी दस आज्ञाओं में से, यह एक अनोखी आज्ञा है, न केवल दस आज्ञाओं में अनोखी, बल्कि प्राचीन निकट पूर्व के सभी कानून संहिताओं में भी अनोखी है।

आप उर-नामू संहिता को देखें, आप लागाश को देखें, आप मध्य असीरियन कानून को देखें, आप हम्मुराबी संहिता को देखें, उनमें से किसी में भी लालच के बारे में कुछ नहीं है। उनमें से किसी में भी नहीं। लेकिन यहाँ हमारे पास एक आदेश है, जो सबसे पहले, पहली चार आज्ञाओं की तरह है, जिसका संबंध ईश्वर के साथ हमारे रिश्ते से है।

वे भी आम तौर पर अन्य कानून संहिताओं में नहीं दिखाई देते हैं, उनमें कोई अन्य देवता नहीं हैं, भगवान का नाम व्यर्थ में नहीं लेते हैं, और इस तरह की सभी चीजें। वे सभी भगवान के साथ हमारे रिश्ते से संबंधित हैं, और वे दिखाते हैं कि यह एक वाचा समझौता है, मानवता और उसके लोगों के बीच एक वाचा, न कि कानून संहिताओं का एक सेट या खुद के नियमों का एक सेट। और यह भी एक ऐसी चीज है जो इसे कानून संहिताओं से अलग करती है, क्योंकि वास्तव में, जब आप इसे ठीक से समझते हैं, तो आप वास्तव में इसे कानून नहीं कह सकते।

आप इस तरह की किसी चीज़ को कैसे लागू करते हैं? यहाँ या पुराने नियम में कहीं भी ऐसा कोई दंड नहीं है जो आपको लालच के लिए विशेष रूप से मिलेगा। तो, आप जानते हैं, आप लेवितस

की किताब को पढ़ें, आप संख्या और व्यवस्थाविवरण को पढ़ें, आपको हत्या के बारे में कानूनों पर विस्तार मिलेगा, आपको चोरी पर विस्तार मिलेगा, आपको झूठी गवाही पर विस्तार मिलेगा, ये सभी हमें उन विभिन्न प्रकार के दंडों के बारे में बताते हैं जो उन आज्ञाओं का उल्लंघन करने से जुड़े हैं। आपको टोरा में ऐसा कुछ भी नहीं मिलेगा जो लालच के लिए दंड के बारे में बात करता हो।

आप भी, जब इसके बारे में सोचेंगे, तो पाएंगे कि यह एक तरह से लागू करने योग्य नहीं है, है न? मैंने पहले भी इसका जिक्र किया है, बहुत पहले की शुरुआत में। आप कैसे जान सकते हैं कि कोई लालच कर रहा है? आप इसे कैसे साबित कर सकते हैं? क्या कोई ऐसा तरीका है जिससे आप इसे अदालत में साबित कर सकें? जब तक कि किसी ने यह लिखकर न दिया हो कि, मैं अपने पड़ोसी का घर बहुत चाहता हूँ, आप जानते हैं? आप वास्तव में इस कानून को लागू नहीं कर सकते। बल्कि, इसके लिए हमें खुद पर नज़र रखने की ज़रूरत है, ताकि हम यह निर्धारित कर सकें कि हम लालच कर रहे हैं या नहीं।

तो इस आज्ञा के साथ हम यहाँ जो देखते हैं वह यह है कि हम परमेश्वर के साथ अपने रिश्ते से परे जा रहे हैं, हम पर्यावरण के साथ अपने रिश्ते से परे जा रहे हैं, जैसा कि सब्बाथ के दिन में होता है, हम अपने पड़ोसियों के साथ अपने रिश्ते से परे जा रहे हैं, जहाँ तक उनके कार्य, उनकी चीज़ें, उनके जीवनसाथी का सवाल है। बल्कि, अब हमें अपने विचारों को कैद में लाने और अपने सोचने के तरीके को प्रभु को सौंपने के लिए कहा जाता है। हाँ! और एक तरह से, यह किसी भी तरह की सोच को कवर करता है जिसके बारे में हम सोच सकते हैं कि यह, आप जानते हैं, बुरी सोच हो सकती है।

जैसा कि आप कह सकते हैं, यह सोचना है। हाँ? लालच करना थोड़ा विवादास्पद है, एक बार फिर, और यहाँ हमारे पास विभिन्न संप्रदायों के बीच इस बात को लेकर मतभेद है कि यह आज्ञा पदानुक्रम में और सूची के क्रम में कहाँ आती है। क्या यह वास्तव में 10वीं आज्ञा है, या यह 9वीं और 10वीं आज्ञा है? यहूदी, रूढ़िवादी और अधिकांश प्रोटेस्टेंट इस बात पर सहमत हैं कि यह 10वीं आज्ञा है।

तुम्हें अपने पड़ोसी के घर का लालच नहीं करना चाहिए, तुम्हें अपने पड़ोसी की पत्नी, या उसके नौकर, या उसकी दासी, या उसके बैल, या गधे, या किसी और चीज़ का लालच नहीं करना चाहिए जो तुम्हारे पड़ोसी की हो। फिर हमारे पास कैथोलिक और लूथरन हैं, जो इस मामले में अजीब लोग हैं, अजीब पक्षी हैं। पहली दो आज्ञाएँ कैथोलिक और लूथरन व्यवस्था में संयुक्त थीं, इसलिए आपके पास कोई अन्य देवता नहीं हैं और कोई छवि संयुक्त नहीं है और इसे आज्ञा संख्या एक के रूप में माना जाता है।

इसलिए, 10 आज्ञाएँ बनाने के लिए, क्योंकि निर्गमन 34 और निर्गमन, मेरा मानना है, 31, और फिर व्यवस्थाविवरण सभी हमें बताते हैं कि 10 आज्ञाएँ हैं, 10 आज्ञाएँ बनाने के लिए, आपको कहीं और कुछ करना होगा। और वे जो करते हैं वह यह है कि वे लालच से संबंधित आज्ञा को दो आज्ञाओं में तोड़ देते हैं। इसलिए नंबर 9, आपको अपने पड़ोसी की पत्नी का लालच नहीं करना चाहिए।

फिर नंबर 10 बन जाता है, आपको अपने पड़ोसी के घर का लालच नहीं करना चाहिए, आदि, आदि, आदि, आदि। उन्हें यह कहां से मिलता है? क्या वे बस चीजों को मनमाने ढंग से काट रहे हैं? नहीं, वास्तव में, व्यवस्थाविवरण 5, जैसा कि मैंने पहले ही उल्लेख किया है, लालच की आज्ञा में तत्वों को पुनः व्यवस्थित करता है और पत्नी को पहले स्थान पर रखता है और एक तरह से उसे पति की संपत्ति से अलग करता है। साथ ही, निर्गमन 20 में सेप्टुआजेंट किसी अजीब कारण से व्यवस्थाविवरण के क्रम का पालन करता है, बहुत संभव है सिर्फ इसलिए कि हम व्यवस्थाविवरण को देख रहे हैं, कौन जानता है? लेकिन फिर सेंट ऑगस्टीन भी अंतिम आज्ञा को दो भागों में विभाजित करता है : अपने पड़ोसी की पत्नी का लालच मत करो , और फिर अपने पड़ोसी से संबंधित किसी अन्य चीज का लालच मत करो।

इसलिए, कैथोलिक धर्म और फिर लूथरन सेंट ऑगस्टीन और उन अन्य स्रोतों का अनुसरण करते हुए इसे दो आज्ञाओं में विभाजित करते हैं। मेरी व्यक्तिगत राय में , मेरा मानना है कि पत्नी व्यवस्थाविवरण में सबसे आगे चली गई क्योंकि व्यवस्थाविवरण जिस नए संदर्भ में दिया गया है, उसमें एक अप्रतिबिंब था , एक भावना थी कि पत्नी को केवल बैलों और खच्चरों और घरों और इस तरह की चीजों के साथ समूहीकृत नहीं किया जाना चाहिए। वहाँ एक तरह का अलगाव है, और मुझे लगता है कि व्यवस्थाविवरण यही स्पष्ट करने की कोशिश कर रहा था, कि हम केवल यह नहीं कह रहे हैं कि पत्नी केवल एक और संपत्ति नहीं है।

तो, चलिए इसे थोड़ा खोलते हैं, क्या हम? हम इसके बारे में एक YouTube वीडियो बना सकते हैं, है न? एक अनपैकिंग वीडियो। फिर हमें हज़ारों-हज़ारों व्यूज़ मिलते हैं। कोवेट हमारा शब्द का मूल अर्थ इच्छा करना है, लेकिन इसका एक अर्थ है जो सिर्फ़ कुछ चाहने से कहीं बढ़कर है।

पुराने नियम में कई मामलों में ऐसा लगता है, और यह थोड़ा विवादास्पद है, लेकिन मुझे लगता है कि कई मामलों में यह बहुत स्पष्ट है, यह किसी चीज़ पर कब्ज़ा करने के इरादे को दर्शाता है। मैं आपको कुछ उदाहरण दिखाता हूँ। मीका 2:2, वे खेतों का लालच करते हैं और उन्हें हड़प लेते हैं, और घरों का लालच करते हैं और उन्हें छीन लेते हैं।

इसलिए, मीका यहाँ लालच शब्द का उपयोग करता है, और वह कहता है कि जब लोग लालच करते हैं, तो वे लेते हैं। भजन 68.16, हे अनेक शिखर वाले पर्वत, तू उस पर्वत को क्यों घृणा से देखता है, जिसे परमेश्वर ने अपने निवास के लिए चाहा था? हाँ, जहाँ प्रभु हमेशा के लिए निवास करेगा। इसलिए, परमेश्वर ने सिय्योन पर्वत को चाहा।

परमेश्वर ने सिय्योन पर्वत को अपने अधिकार में ले लिया। यशायाह 1:29, क्योंकि तुम उन बांज वृक्षों के कारण लज्जित होगे, जिन्हें तुम ने चाहा था। तुम उन बगीचों के कारण लज्जित होगे, जिन्हें तुमने चुना है।

लोगों ने पूजा के लिए ओक के पेड़ों का लालच किया और उन्हें अपने पूजा स्थल के रूप में ले लिया। अय्यूब 20:20, क्योंकि वह अपने पेट में तृप्ति नहीं जानता था, इसलिए वह जो कुछ भी

लालच करता है उसे अपने से दूर नहीं जाने देता। एक बार फिर, कोई व्यक्ति किसी चीज़ का लालच करता है और वे उसे ले लेते हैं।

इसलिए, लालच करना सिर्फ़ यह कहने जैसा नहीं है कि, ओह, मेरे पड़ोसी के पास नई कार है। काश मेरे पास भी नई कार होती। यह कुछ इस तरह है कि, ओह, मेरे पड़ोसी के पास नई कार है।

मुझे उसकी नई कार चाहिए, और मैं इसे पाने का कोई रास्ता खोजूंगा। अब, जब तक हम इसे देख रहे हैं, जब हमें यहाँ इस सूची के बारे में सोचना है, तो आप जानते हैं, आपको अपने पड़ोसी के घर का लालच नहीं करना चाहिए, और फिर यह आगे बढ़ता है और उन सभी चीज़ों का नाम देता है जिन्हें आपको लालच नहीं करना चाहिए। उन्होंने इस विशेष मामले में इन वस्तुओं को क्यों सूचीबद्ध किया है ? निर्गमन 20 और व्यवस्थाविवरण 5 में, सूचियाँ निश्चित रूप से समान हैं।

निर्गमन, घर, पत्नी, नौकर, दासी, बैल, गधा, कुछ भी। स्पष्ट रूप से, कुछ भी सब कुछ को कवर करता है, है न? तो, यहाँ इस तरह से यह सब फैलाने का क्या कारण था? व्यवस्थाविवरण, पत्नी, घर, खेत, नौकर, दासी, बैल, गधा, कुछ भी, है न? तो, मूल रूप से, वही सूची सिवाय इसके कि हमने क्रम बदल दिया है, और हमने एक खेत भी शामिल कर लिया है। मेरा मानना है कि दोनों सूचियों का एक समान अलंकारिक उद्देश्य है, और यहाँ विचार यह ज़ोर देना है कि पड़ोसी का पूरा घर और संपत्ति आपके लिए वर्जित है।

हाँ, और यह प्राचीन निकट पूर्वी साहित्य में किसी बात पर ज़ोर देने का एक सामान्य तरीका था, कि अगर आप वाकई किसी बात पर ज़ोर देना चाहते हैं, तो आप किसी बात को कहने के लिए एक शब्द का इस्तेमाल नहीं करते, आप उसे तीन शब्दों में कह सकते हैं। आप अपनी बात को थोड़ा और मज़बूती से कहने के लिए ज़्यादा शब्दों का इस्तेमाल करते हैं, और यही वे कर रहे हैं। जाहिर है, वे कह सकते थे, अपने पड़ोसी की किसी चीज़ का लालच मत करो, और इसका मतलब भी यही होता।

लेकिन इसके बजाय, वे आगे बढ़ गए हैं, और उन्होंने मूल रूप से उन सभी चीज़ों को जोड़ दिया है जो पड़ोसी के घर का हिस्सा हो सकती हैं। और हाँ, मुझे लगता है कि यहाँ घर का मतलब जरूरी नहीं कि उस भौतिक संरचना, इमारत से हो। मुझे लगता है कि पुराने नियम में घर शब्द का इस्तेमाल हम काफी बार देखते हैं, जहाँ घर का मतलब हो सकता है, अगर यह एक राजा है, तो इसका मतलब पूरे राजवंश से हो सकता है।

लेकिन कई बार, कई मामलों में, यह उन सभी चीज़ों को संदर्भित करता है जो किसी इंसान से जुड़ी होती हैं। इसलिए, मूल रूप से, दोनों सूचियाँ एक ही बात कह रही हैं। आपके पड़ोसी की संपत्ति में से कोई भी चीज़, या उसके कब्जे में, आपको नहीं लेनी चाहिए।

निर्गमन में घर सबसे पहले आता है, क्योंकि घर उन सभी सामानों, उन सभी चीज़ों का पर्याय है जो एक आदमी से संबंधित हैं। और फिर हम उसके घर के उन विभिन्न हिस्सों को सूचीबद्ध करते हैं, और फिर हम यह कहकर निष्कर्ष निकालते हैं, या कुछ और, जो आपके पड़ोसी से संबंधित

हो सकता है। तो, एक तरह से, यह एक तरह से लिफाफा संरचना का निर्माण करता है, जहाँ हम घर से शुरू करके एक आदमी के पास मौजूद हर चीज़ को संदर्भित करते हैं।

और फिर हम उन चीज़ों को सूचीबद्ध करते हैं जो उस घर का हिस्सा हैं, पत्नी, जानवर, नौकर, आदि, आदि। और फिर हम निष्कर्ष निकालते हैं, और वैसे, अगर उसके पास कुछ और है, तो वह भी। व्यवस्थाविवरण, मैंने पहले ही उल्लेख किया है कि यह संभवतः पहले पत्नी को स्थानांतरित करता है, आदि, संपत्ति के अलावा।

वे यहाँ फ़्रील्ड क्यों जोड़ रहे हैं? ठीक है, आप 1, 2, 3, 4, 5, 6, फिर यहाँ कुछ भी गिनें, 1, 2, 3, 4, 5, 6, 7, कुछ भी। मेरा मानना है कि फ़्रील्ड को सिर्फ सूची को 7 तक लाने के लिए ही वहाँ रखा गया है। क्यों? क्योंकि उन्हें 7 पसंद है। आप जानते हैं, अगर आप अपने पड़ोसी से जुड़ी हर चीज़ के बारे में बताने की कोशिश कर रहे हैं, तो 7 नंबर का इस्तेमाल करके पूर्णता दिखाई जाती है। यह पूर्णता की संख्या है। तो, फ़्रील्ड को वहाँ डालें और आपने वह सब कुछ कवर कर लिया है जो संभवतः पड़ोसी की संपत्ति का हिस्सा हो सकता है।

अपने पड़ोसी की चीज़ों को अपने पास रखने की कोशिश में न लगे। कुछ मायनों में, हममें से कई लोगों के लिए, यह सबसे ज़्यादा प्रासंगिक आज्ञा हो सकती है। और इसे बार-बार पुष्ट किया गया है, न केवल पुराने नियम में, बल्कि नए नियम में भी।

मार्क, अध्याय 7, श्लोक 21 से 22, भीतर से, पुरुषों के दिल से, वैसे, यह यीशु है, सभी बुरे विचार, व्यभिचार, चोरी, हत्या, व्यभिचार, लोभ के काम और दुष्टता, साथ ही साथ छल, कामुकता, ईर्ष्या, बदनामी, गर्व और मूर्खता। ल्यूक 12:15, और उसने उनसे कहा, सावधान रहो और हर तरह के लोभ से अपने आप को बचाए रखो, क्योंकि किसी का जीवन उसकी संपत्ति की बहुतायत से नहीं है। इफिसियों 5:5, क्योंकि आप निश्चित रूप से जानते हैं, कि कोई भी अनैतिक या अशुद्ध व्यक्ति या लोभी आदमी, जो एक मूर्तिपूजक है, इसलिए यहां पॉल लोभी होने को एक मूर्तिपूजक होने के साथ जोड़ता है, कोई ऐसा व्यक्ति जो किसी और से संबंधित चीज़ को इतनी तीव्रता से चाहता है, कि एक

और फिर याकूब 4:2, तुम चाहो और तुम्हारे पास नहीं है, इसलिए तुम हत्या करते हो, तुम लालच करते हो और तुम प्राप्त नहीं कर सकते, इसलिए तुम लड़ते हो और झगड़ते हो। ठीक है, याकूब, मुझे लगता है कि यहाँ अतिशयोक्ति पर थोड़ा भारी है, आप जानते हैं, नहीं, हर कोई जो किसी और की चीज़ चाहता है, वह उसे उनसे छीनने के लिए उनकी हत्या नहीं करेगा, और मुझे वाकई यकीन नहीं है कि आपके कितने पाठक वास्तव में ऐसा कर रहे थे, लेकिन मुझे लगता है कि आप शायद अपनी मंडली को मुझसे बेहतर जानते होंगे। वैसे भी, वास्तव में, कोई पूछ सकता है, किसी और की चीज़ की चाहत रखना, वास्तव में कितना गंभीर अपराध है? खैर, कुछ हद तक, इसका एक कारण है कि यह दस आज्ञाओं के अंत में आता है, क्योंकि आप किसी और को किसी और की चीज़ों से कोई सीधा नुकसान नहीं पहुँचाते हैं।

लेकिन दूसरी ओर, आप शायद खुद को बहुत नुकसान पहुँचाते हैं। जैसा कि मैंने कहा, हर कोई स्वीकार करेगा कि वे लालच करते हैं, लेकिन क्या कोई वास्तव में परवाह करता है? खैर, बाइबल

में, लालच की गंभीरता को कई कहानियों द्वारा समझाया गया है जो दिखाती हैं कि लालच अक्सर वह होता है जिसे हम प्रवेश द्वार पाप कह सकते हैं, कि बाइबल में सबसे बड़ी गिरावट लालच से शुरू होती है। और यह बहुत स्पष्ट रूप से चित्रित किया गया है और, ठीक है, हमारे अच्छे दोस्त जेम्स द्वारा एक बार फिर स्पष्ट रूप से कहा गया है।

जेम्स कहते हैं, हर व्यक्ति तब परीक्षा में पड़ता है जब उसका अपना लोभ उसे खींच लेता है। अब, आपके ज़्यादातर अनुवादों में यहाँ लोभ नहीं कहा गया है, लेकिन यह शब्द है, एपिथुमियोस। वैसे, यह वही शब्द है जिसका इस्तेमाल यीशु ने आपके दिल में किसी के लिए वासना के बारे में किया था, उस पर कब्ज़ा करने की इच्छा, जिसका मतलब है किसी पर कब्ज़ा करने का इरादा।

और वे तब परीक्षा में पड़ते हैं जब वे अपने ही लोभ के द्वारा खींचे जाते हैं और बहक जाते हैं। और फिर, जब लोभ गर्भ धारण कर लेता है, तो वह पाप को जन्म देता है। और पाप, जब वह पूर्ण विकसित हो जाता है, तो मृत्यु को जन्म देता है।

क्या यह एक प्यारा सा विडंबनापूर्ण विरोधाभास नहीं है? यह मृत्यु को जन्म देता है। मुझे यह पसंद है। अगर लालच के बीज को अनियंत्रित छोड़ दिया जाए, तो यह एक कड़वी फसल बन सकता है।

यह अपने साथ विनाश और मृत्यु भी ला सकता है। पुराने नियम में डेविड और बाथशेबा की कहानी से बेहतर कोई कहानी इसे नहीं दर्शाती। यह कहानी, ओह, यीशु के जन्म से लगभग एक हजार साल पहले की है।

यह 2 शमूएल की पुस्तक में दर्ज है। दाऊद ने अपना राज्य सुरक्षित कर लिया है, और वह समृद्ध हो रहा है, और ऐसा लगता है कि उसके लिए सब कुछ ठीक चल रहा है। और फिर वह आराम करने और सब कुछ आसान करने का फैसला करता है।

और इसलिए, जब उसकी सारी सेनाएँ युद्ध कर रही थीं, डेविड अपने महल में घर पर बैठा था। और एक दिन, वह अपने महल की खिड़की से बाहर देखता है, और उसे रास्ते में एक घर दिखाई देता है, और वह उस घर की छत पर एक महिला को नहाते हुए देखता है। अब, इस बारे में सभी तरह की अटकलें हैं कि क्या वह जानती थी कि डेविड उसे देख रहा है, और इस तरह की सभी बातें।

आप जानते हैं, हमें वहाँ जाने की ज़रूरत नहीं है, क्योंकि हम वास्तव में नहीं जान सकते, इसलिए अटकलें क्यों लगाएँ? हम जो जानते हैं वह यह है कि डेविड देख रहा था, और उसे ऐसा नहीं करना चाहिए था। उसे अपने सैनिकों का नेतृत्व करना चाहिए था। इसके बजाय, वह घर पर एक झाँकने वाला टॉम बन गया है, जो सड़क के नीचे इस महिला पर नज़र रख रहा है।

इसलिए, वह अपने एक नौकर को बुलाता है, और वह नौकर से पूछता है, ओह, वहाँ सड़क पर वह युवती कौन है? एक बहुत ही आकर्षक लड़की, जो अपनी छत पर नहा रही थी। और उसके सेवकों ने जाकर पता लगाया, और वापस आकर कहा, अरे, वह युवती बतशेबा है। वह आपके एक अधिकारी, हित्ती ऊरिय्याह की बेटी है।

और डेविड सोचता है, ओह, हिन्ती उरीया, हुह? वह अभी मेरे लिए युद्ध लड़ रहा है, मेरे लिए युद्ध कर रहा है। अरे, इसका मतलब है कि वह घर पर अकेली है, बेचारी छोटी सी चीज़। और डेविड लालच करने लगता है।

वह बतशेबा को चाहता है। और इसलिए, दाऊद बतशेबा को राजमहल में ले आता है, क्योंकि वह राजाओं की उस भयानक बीमारी से पीड़ित है, जहाँ उन्हें लगता है कि ऐसी कोई चीज़ नहीं है जिसे वे चाहते हैं और जो उन्हें नहीं मिल सकती। और इसलिए, दाऊद बतशेबा को चाहता है और व्यभिचार करता है।

खैर, बाथशेबा जल्द ही एक संदेश भेजती है कि वह डेविड के बच्चे की माँ बनने वाली है। और डेविड सोचता है, वाह, हमें इसे छिपाने के लिए कुछ करना होगा। और इसलिए, वह उरीया को युद्ध के मैदान से वापस बुलाता है, यह सोचकर कि उरीया अपनी रिपोर्ट देने के बाद घर चला जाएगा, जैसा कि डेविड ने उससे करने के लिए कहा था।

उरीया घर जाकर अपनी पत्नी के साथ रात बिताएगा, और फिर वह घोषणा करेगी कि वह गर्भवती है, और हर कोई मान लेगा कि बच्चा उरीया का है, कोई भी समझदार नहीं है, क्योंकि जाहिर है कि उन दिनों वे गिनती करने में बहुत अच्छे नहीं थे। लेकिन फिर भी, उरीया महल में आता है, अपनी रिपोर्ट देता है, और फिर घर वापस जाने से इनकार कर देता है। वह महल के फर्श पर सोता है।

डेविड उसे शराब पिलाता है, उसे घर भेजने की कोशिश करता है, फिर भी अपनी पत्नी के पास वापस जाने से इनकार करता है, क्योंकि वह कहता है, मैं यहाँ बाहर रहने, अपनी पत्नी की संगति का आनंद लेने के बारे में नहीं सोच सकता, मेरे राजा के लोग मैदान में लड़ रहे हैं और मर रहे हैं। लड़के, डेविड को उस समय वाकई एक दुष्ट की तरह महसूस हुआ होगा, जब उसने उरीया की पत्नी की संगति का आनंद लिया था जबकि उसके लोग मैदान में मर रहे थे। और इसलिए, डेविड क्या करता है? डेविड अपने एक कमांडर को संदेश देता है।

आप देखिए, डेविड जानता है कि उसके और उरीया के अलावा कोई नहीं जानता कि उरीया घर नहीं गया, इसलिए वह अपने एक जनरल के साथ संदेश भेजता है और कहता है, इस आदमी को जो यह संदेश लेकर आया है, युद्ध के सबसे कठिन हिस्से में भेज दो, और फिर उसे छोड़ दो। और निश्चित रूप से, जनरल ने वैसा ही किया जैसा उसे बताया गया था, उरीया युद्ध में मारा गया, और डेविड ने बतशेबा को अपनी पत्नी के रूप में ले लिया। तो, डेविड ने व्यभिचार और हत्या की है, लेकिन यह सब, ज़ाहिर है, लालच के पाप से शुरू हुआ।

अब, कहानी का सुखद अंत, दाऊद इससे बच नहीं पाता, क्योंकि नातान नाम का एक भविष्यवक्ता था, जो दाऊद के पास आता है और उसे एक ऐसे आदमी के बारे में एक अद्भुत छोटी सी कहानी सुनाता है जो अपने पड़ोसी की छोटी सी भेड़ को चाहता है, उसे लालच देता है और उसे अपना बना लेता है। और दाऊद का धर्मी क्रोध भड़क उठता है, और वह कहता है, जो

कोई भी ऐसा काम करेगा उसे मार दिया जाना चाहिए। और नातान कहता है, हे राजा, तुम ही वह आदमी हो।

हाँ, और उसके बाद से डेविड के घर में सिर्फ परेशानियाँ ही रहीं। लेकिन यह सब तब शुरू हुआ जब वह वहाँ गया जहाँ उसे नहीं जाना चाहिए था, किसी ऐसे व्यक्ति को देखा जिसे उसे नहीं देखना चाहिए था, और उसे चाहता था। अब, यह एक बहुत ही चरम कहानी है, जाहिर है, क्योंकि एक आदमी की लालच ने मूल रूप से उसके शाही वंश को पतन की ओर ले गया, वास्तव में।

और लालच करना हममें से ज्यादातर लोगों के लिए उतना बुरा नहीं होने वाला है। जेम्स चाहे जो भी कहे, यह हमें आम तौर पर हत्यारा नहीं बना सकता। आम तौर पर, लालच हमें बड़े कर्जदार बना सकता है, लेकिन आम तौर पर हत्यारा नहीं बना सकता।

कुछ लोग चोरी कर सकते हैं। कुछ लोग अपनी इच्छाओं को पूरा करने के लिए झूठ बोल सकते हैं। लेकिन हमें ऐसा करने की ज़रूरत नहीं है, खासकर आधुनिक अमेरिका में, जहाँ सब कुछ बहुतायत में है, जहाँ हम जो चाहें पा सकते हैं, है न? अगर हमारा पड़ोसी काम पर आता है, और उसके पास सभी तरह की सुविधाओं वाला कोई नया सेल फ़ोन है, तो मुझे उसका सेल फ़ोन चुराने की ज़रूरत नहीं है।

मैं बस अपनी खुद की एक कार खरीद लूँगा, ठीक है, और अगले 10 सालों तक हर महीने उसका भुगतान करूँगा, है न? अगर उसे एक सुंदर नई कार मिलती है, तो मैं भी जाकर अपनी एक कार खरीद लूँगा, और शायद देखूँगा कि क्या मैं किसी तरह उससे बेहतर कर सकता हूँ, आप जानते हैं? अगर हम अपने पड़ोसी के जीवनसाथी के प्रति आकर्षित होते हैं, तो ठीक है, आप जानते हैं, थोड़ा इंतज़ार करें, और शायद वे तलाक ले लें, आप जानते हैं? हमें इसे अगले चरण पर ले जाने की ज़रूरत नहीं है। हमें अपनी इच्छाओं को पूरा करने के लिए झूठ बोलने, धोखा देने या हत्या करने की ज़रूरत नहीं है। तो, फिर से, हम पूछ सकते हैं, क्या दूसरों के पास जो चीज़ें हैं, उन्हें चाहना वाकई इतना बुरा है? हम्म।

खैर, यह स्पष्ट है कि अगर हम इस तथ्य को स्वीकार नहीं करते हैं कि लालच हमें नुकसान पहुंचा सकता है, भले ही हम इसे कभी भी अनुचित तरीके से या वास्तव में पापपूर्ण तरीके से न करें, तो हम काफी अदूरदर्शी होंगे। आज लोग जिस समृद्धि का आनंद लेते हैं, खासकर अमेरिका में, इसका मतलब है कि हमें अपनी इच्छाओं की निराशा का अनुभव शायद ही कभी करना पड़े। आम तौर पर, हम जो चीज़ें चाहते हैं, हम उन्हें किसी न किसी तरह से प्राप्त कर सकते हैं।

और चालाक विज्ञापनदाता यह जानते हैं, और वे हमें लालची बनने के लिए प्रोत्साहित करते हैं, हमारे सामने लगातार नए, बेहतर, तेज़ और चमकदार गैजेट पेश करते हैं, ताकि हम उन चीज़ों को खरीदने के लिए आकर्षित हो जाएँ, और हम उनके झांसे में आ जाएँ। अब, कई साल पहले, मैंने एक वीडियो देखा। यह 1950 के दशक में बनाया गया था, और मूल रूप से यह उपभोक्तावाद के बारे में था।

आजकल, ज़्यादातर लोग उपभोक्तावाद को एक नकारात्मक चीज़ मानते हैं, लेकिन यह सार्वजनिक सेवा वीडियो हमें यह बताने की कोशिश कर रहा था कि उपभोक्तावाद एक अच्छी चीज़ है और देशभक्ति वाली चीज़ है। बाहर जाकर खरीदना और खरीदना और खरीदना और खरीदना और खरीदना एक अच्छी चीज़ है, और इसी तरह हम अपने देश को महान बना सकते हैं। और आप सोचते हैं, ठीक है, आप जानते हैं, यह 1950 की बात है और यह युद्ध के बाद की बात है और इस तरह की सभी चीज़ें।

वैसे, अगर आप इतने बड़े हैं कि आपको याद है, तो आप भी सोच सकते हैं कि 2011 में और 9/11 बम विस्फोटों के बाद, वर्ल्ड ट्रेड सेंटर और ट्विन टावर्स पर बमबारी और अन्य बम विस्फोट हुए, लेकिन विशेष रूप से ट्विन टावर्स जैसी घटना, सवाल उठा कि हम क्या कर सकते हैं? और संयुक्त राज्य अमेरिका के राष्ट्रपति ने हमें बताया कि हमें जो करने की ज़रूरत है वह है बाहर जाकर सामान खरीदना, और ऐसा करके हम अपनी अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देंगे। और कोविड महामारी के बाद भी इसी तरह के संदेश आए, कि यह सभी अमेरिकियों की ज़िम्मेदारी है कि वे बाहर निकलें और चीज़ें खरीदें ताकि हम अर्थव्यवस्था को फिर से गति दे सकें। मुझे संदेहवादी कहें, लेकिन मूल रूप से वे यहाँ जो करने की कोशिश कर रहे हैं वह राष्ट्रीय नीति के रूप में लालच को प्रोत्साहित करना है।

आपकी सरकार चाहती है कि आप लालची बनें। हम चाहते हैं कि आपके पास ज़्यादा सामान हो, आप ज़्यादा सामान पाएँ, और बेशक, वॉल स्ट्रीट चाहता है कि आप ज़्यादा सामान चाहते हों, और बेशक, विज्ञापनदाता चाहते हैं कि आप उनके विज्ञापनों पर प्रतिक्रिया दें, और हम उनके झांसे में आ जाते हैं। मुझे नहीं पता कि हमारी भूख ने हमें व्यभिचारियों और हत्यारों के देश में बदल दिया है या नहीं, लेकिन आप निश्चित रूप से कह सकते हैं कि हम कुछ हद तक पेटू लोगों के देश बन गए हैं।

एक अमेरिकी होने के नाते, मैं यहाँ अमेरिका पर थोड़ा-बहुत कटाक्ष कर सकता हूँ, लेकिन अमेरिका वास्तव में लोलुपता और लालच का पोस्टर चाइल्ड है। संयुक्त राज्य अमेरिका में दुनिया की 4.2 प्रतिशत आबादी रहती है, लेकिन हम दुनिया की 30 प्रतिशत से अधिक वस्तुओं का उपभोग करते हैं। अमेरिकी उपभोग सोशल मीडिया के साथ-साथ चालाक विज्ञापनों द्वारा संचालित होता है जो उपभोक्ता असंतोष को बढ़ाता है।

मेरा विश्वास करो, उन्हें पता है कि कौन सा बटन दबाना है। उन्होंने रिसर्च की है। उन्हें पता है कि हमें लालच कैसे दिलाना है।

हमारी सरकार, हमारे विज्ञापनदाता, हमारे माल के उत्पादक सभी हमें 10वीं आज़ा का उल्लंघन करने के लिए मजबूर करने की साजिश कर रहे हैं, और आप आश्चर्य करते हैं कि इस सब के पीछे कौन तार खींच रहा है। मुझे लगता है कि शायद शैतान है। वैसे भी, हम उन लोगों के बारे में सोचते हैं जिनके पास बहुत सारी चीज़ें हैं, और हम उन्हें विशेषाधिकार प्राप्त कहते हैं, और फिर भी बहुत सारी चीज़ें होने से कोई भी वास्तव में खुश नहीं होता है।

उल्लेखनीय रूप से, अमीर किशोरों में आज के युवा अमेरिकियों के किसी भी अन्य सामाजिक-आर्थिक समूह की तुलना में अवसाद, चिंता और मादक द्रव्यों के सेवन की दर अधिक है। सबसे ज्यादा परेशानी किसे हो रही है? अमीर बच्चों को, जिन्हें वो सब मिल रहा है जो उनके छोटे दिल को पसंद है। और यह इतनी चिंता क्यों पैदा कर रहा है? यह इतना अवसाद क्यों पैदा कर रहा है? क्योंकि उन्हें लगता है कि यह संतुष्टिदायक नहीं है।

इससे उनकी ज़रूरतें पूरी नहीं हो रही हैं। वे खुश नहीं हो रहे हैं और शायद कहीं गहरे में उन्हें संदेह है कि यह सब झूठ है। कई साल पहले, मैंने सरकारी टेलीविज़न पर एक कार्यक्रम देखा था।

सी.डी.सी. ने एक व्यापक प्रकोप की जांच की थी, मान लीजिए, एक बीमारी जो आम तौर पर नाविकों से जुड़ी होती है। लेकिन यह प्रकोप कहां हुआ? यह संयुक्त राज्य अमेरिका के सबसे धनी उपनगरों में से एक, अटलांटा, जॉर्जिया के एक उपनगर में हुआ। इस वृत्तचित्र में, रिपोर्टर एक आलीशान घर से दूसरे आलीशान घर में गए, और उन्होंने माता-पिता से बात की, और उन्होंने बच्चों से बात की, और बार-बार, उन्होंने एक ही कहानी सुनी।

बच्चों के पास वह सब कुछ था जो वे चाहते थे, लेकिन वे अपने माता-पिता को मुश्किल से जानते थे। उन्हें अकेला छोड़ दिया जाता था, 12 और 13 साल के बच्चों को कई दिनों तक घर पर अकेला छोड़ दिया जाता था, जबकि माँ और पिताजी व्यापार यात्राओं या शायद छुट्टियों या क्रूज पर जाते थे। इस बीच, आपके पास ऐसे कई बच्चे थे जो ऊब चुके थे और हर तरह की शरारतें करने में कामयाब हो गए थे।

संपन्न 14 वर्षीय बच्चे गर्भवती हो रहे हैं, नशीली दवाओं के आदी हो रहे हैं, आत्महत्या कर रहे हैं क्योंकि उनके माता-पिता अपने बच्चों पर ध्यान देने के बजाय पड़ोसियों के साथ बने रहने और नवीनतम, सबसे बड़ी और सबसे अच्छी चीजें पाने में अधिक रुचि रखते थे। लालच ने उन्हें समृद्धि की वेदी पर अपने बच्चों की बलि चढ़ाने के लिए प्रेरित किया। आइए लालच के कुछ व्यक्तिगत प्रभावों के बारे में बात करते हैं।

शायद आपको इसकी परवाह होने लगी है। शायद, शायद नहीं। इसका असर दूसरे लोगों पर पड़ता है, है न? इसका असर हम पर नहीं पड़ता।

यह किसी व्यक्ति पर क्या असर डालता है? आइए इस बारे में सोचें। अगर वे अपने पड़ोसी की कार के मालिक होने का सपना देख रहे हैं, अगर वे अपने पड़ोसी के जीवनसाथी के लिए वासना कर रहे हैं, या यहाँ तक कि सिर्फ उनके सेल फ़ोन के लिए तरस रहे हैं, तो यह किसी व्यक्ति पर क्या असर डालता है? सबसे पहले और सबसे महत्वपूर्ण, ईर्ष्या। ईर्ष्या शायद पहली चीज़ है जिसका हम अनुभव करते हैं।

अब, मुझे कहना होगा कि ईर्ष्या हमेशा बुरी चीज़ नहीं होती क्योंकि कभी-कभी थोड़ी सी ईर्ष्या हमें खुद को बेहतर बनाने के लिए प्रेरित कर सकती है। अगर हम देखते हैं कि कोई व्यक्ति अच्छा कर रहा है और हम उससे ईर्ष्या करते हैं और हम भी अच्छा करना चाहते हैं। अगर हम

देखते हैं कि कोई व्यक्ति अच्छा कर रहा है और हम उससे ईर्ष्या करते हैं, तो कभी-कभी यह हमें खुद को बेहतर बनाने, बेहतर इंसान बनने और अधिक उत्पादक बनने के लिए प्रेरित कर सकता है।

इसलिए, ईर्ष्या हमेशा बुरी नहीं होती, लेकिन दूसरी ओर, यह निश्चित रूप से एक बुरी चीज भी हो सकती है क्योंकि यह हमें बेचैन और असंतुष्ट बना सकती है। ईर्ष्या हमें नाराज़गी की ओर ले जा सकती है। तो, सबसे पहले हम सोचते हैं, अरे, उनके पास इतनी सारी अच्छी चीजें क्यों हैं? काश मेरे पास भी अच्छी चीजें होतीं।

और फिर बात वहाँ से आगे बढ़ती है, अच्छा, अरे, मैं भी उतनी ही मेहनत करता हूँ जितनी वे करते हैं। ऐसा क्यों है कि उन्हें पदोन्नति मिलती है? उन्हें वेतन वृद्धि क्यों मिलती है? आप जानते हैं, वे किसी के लिए कुछ ऐसा कर रहे होंगे जो मैं नहीं कर रहा हूँ। या, अरे, ऐसा आदमी उस तरह की कार कैसे खरीद सकता है? वह ज़रूर कुछ अवैध काम कर रहा होगा।

हम उन लोगों से नाराज़ होने लगते हैं जिनसे हम ईर्ष्या करते हैं। मेरी के पति ने हाल ही में उसे कूज पर ले गए। मेरे पति मुझे कभी कूज पर नहीं ले जाते।

मेरी शादी एक असफल व्यक्ति से हुई है। नाराज़गी रिश्तों में जहर घोल सकती है। और फिर नाराज़गी और भी आगे बढ़ सकती है, जो हमें नफ़रत की ओर ले जा सकती है।

हममें से ज़्यादातर लोग जानते हैं कि बाइबल में नफ़रत की कड़ी निंदा की गई है। शायद हाल के इतिहास में इस प्रक्रिया का सबसे नाटकीय उदाहरण एक युवा, निराश कलाकार से मिलता है, जिसके पास धन और प्रसिद्धि के सपने थे जो लगातार उससे दूर होते जा रहे थे। उसका दिल उन कुछ सफल कलाकारों और व्यापारियों के लिए ईर्ष्या से जल रहा था जिनसे वह मिला था, जिनमें से ज़्यादातर यहूदी थे।

और उसकी नाराज़गी और ईर्ष्या एक कटु यहूदी-विरोधी भावना में बदल गई। मैं निश्चित रूप से एडोल्फ़ हिटलर के बारे में बात कर रहा हूँ। इसलिए, हमें यहाँ यह देखना चाहिए कि भले ही लालच हमें चोरी या हत्या करने या तानाशाह बनने के लिए प्रेरित न करे, लेकिन यह हानिकारक हो सकता है।

यह हमारी दुनिया के लिए हानिकारक है। यह हमारे बच्चों के लिए हानिकारक हो सकता है। यह हमारे पड़ोसियों के साथ हमारे रिश्ते के लिए हानिकारक हो सकता है।

लालच करना परमेश्वर के साथ हमारे रिश्ते के लिए भी हानिकारक हो सकता है, आप जानते हैं। लालच करने से परमेश्वर ने हमें जो अच्छी चीजें दी हैं, उनसे असंतुष्टि पैदा होती है। हमें एक फ़ोन मिला।

ओह, हम बहुत खुश हैं। हमारे पास एक सेल फोन है, जब तक कि हम अपने पड़ोसी का सेल फोन नहीं देखते। ओह, उनके पास तो इससे भी बेहतर सेल फोन है।

मेरे पास बेहतर सेल फोन क्यों नहीं हो सकता? नहीं? और इसलिए हम उन अच्छी चीज़ों को तुच्छ समझने लगते हैं जो भगवान ने हमें दी हैं। और जब हमारे अंदर असंतोष की भावना होती है, जब हम उन चीज़ों की चाहत रखते हैं जो हमें नहीं दी गई हैं, तो शायद हम महान दाता से नाराज़ होने लगते हैं। हे भगवान, आप जो कर रहे हैं, वह बिल्कुल भी उचित नहीं है।

बहुत सारे बुरे लोग हैं जो वाकई बहुत अमीर हैं, और यह बिल्कुल सही नहीं है। हाँ, हम उन अद्भुत चीज़ों से घृणा करने लग सकते हैं जो हमारे पास हैं। लालच इंसान और उसके निर्माता के बीच दरार पैदा कर सकता है।

क्या हमें इसकी परवाह करनी चाहिए? ओह, हाँ, बेशक हमें इसकी परवाह करनी चाहिए। यह कोई छोटी बात नहीं है जिसके बारे में हम यहाँ बात कर रहे हैं। परमेश्वर हमें धन्यवादी हृदय रखने के लिए कहता है।

आप जानते हैं, आभार व्यक्त करना वास्तव में लालच के विपरीत है। लालच का मतलब है असंतुष्ट होना और उन चीज़ों को पाना जो दूसरों के पास हैं। आभार व्यक्त करना उन चीज़ों की सराहना करना है जो आपके पास हैं।

और यही वह रवैया है जिसे परमेश्वर हमसे लालच के रवैये के बजाय विकसित करने के लिए कहता है। हमें ऐसे लोग बनना है जो अपने घर की कद्र करते हैं, अपनी पत्नियों या पतियों की कद्र करते हैं, और उन लोगों की कद्र करते हैं जो हमारे लिए काम करते हैं, और वे चीज़ें जो हमारे पास हैं जो हमारे जीवन को आसान और बेहतर बना सकती हैं, और उन सभी चीज़ों के बारे में नहीं सोचते जो हमारे पास नहीं हैं, और वे सभी चीज़ें जो हम चाहते हैं कि हमारे पास हों, और खास तौर पर वे चीज़ें जो हमारे पड़ोसियों के पास हो सकती हैं। अपने पड़ोसियों को खुद की देखभाल करने दें।

तो, मैं एक बार फिर उस सवाल पर वापस जाना चाहता हूँ जिसे हमने बहुत पहले ही उठाया था। क्या हम दस आज्ञाओं का पालन करने के लिए बाध्य हैं? क्या हम कानून के बंधन से मुक्त हैं? ठीक है, एक तरह से, लेकिन दूसरी तरफ, अगर हम देखें कि यीशु ने दस आज्ञाओं का किस तरह से इस्तेमाल किया, अगर हम देखें कि नया नियम दस आज्ञाओं और उनके पीछे के सिद्धांतों के बारे में किस तरह से बात करता है, तो हम पाते हैं कि इन आज्ञाओं के पीछे के सिद्धांत न केवल एक अच्छा विचार हैं, न केवल वे हमें ऐसे लोग बनने में मदद करते हैं जो परमेश्वर के राज्य के लिए उपयोगी हैं, बल्कि वे ऐसे सिद्धांत भी हैं जो हमें जीवन का आनंद लेने और खुश रहने में मदद कर सकते हैं। और इसलिए, हम कह सकते हैं, हम दस आज्ञाओं का पालन करने के लिए बाध्य नहीं हैं, लेकिन अगर हम दस आज्ञाओं का पालन करने की कोशिश करते हैं तो हम लाभान्वित और धन्य होंगे, क्योंकि परमेश्वर ने उन्हें बोझ के रूप में नहीं, बल्कि अपने लोगों के साथ अपने रिश्ते को समेटने के लिए एक उपहार के रूप में दिया था।

आइए हम उन्हें शेल्फ पर या किसी पब्लिक स्कूल की दीवार पर न रखें और यह न सोचें कि वे बच्चों को गोलियों से बचाएंगे। वे इसके लिए नहीं बनाए गए थे। वे हमें परमेश्वर के साथ अपने रिश्ते को बढ़ाने में मदद करने के लिए बनाए गए थे।

और यही वह लक्ष्य है जिस पर हमें उन्हें पहुंचाना चाहिए।

यह डॉ. एंथनी जे. टॉमसिनो और दस आज्ञाओं पर उनकी शिक्षा है। यह सत्र 11 है, आज्ञा 10 - तुम लालच नहीं करोगे।